संपादकीय

आम जन को न्याय पाने में ज्यादा हलकान होना पड़ता है

भारत के प्रधानमंत्री जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने दोटूक कहा है कि लोग अदालतों से इतने तंग' आ गए हैं कि वे बस समझौता चाहते हैं। वे कहते हैं कि बस, अदालत से दूर करा दीजिए। जस्टिस चंद्रचूड़ विशेष लोक अदालत सप्ताह के दौरान शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में लोक अदालतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि लोगों में इस प्रकार की भावना उभरना बतौर जज हम लोगों के लिए गहन चिंता का विषय है। बेशक, लोगों का अदालती मामलों से त्रस्त होकर छुटकारा पाने उत्कट इच्छा न्याय व्यवस्था के लिए कोई अच्छी बात नहीं है।

इससे संदेश यह निकलता है कि व्यवस्था लोगों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही है। और इसलिए उन्हें मजबूरी में मामलों में समझौता करने की राह चुनना बेहतर लगता है। समझौता कोई न्याय नहीं है, बल्कि मजबूरी में किया गया उपाय है, जो समाज में पहले से मौजूद असमानताओं को ही दर्शाता है। जैसा कि प्रधान न्यायाधीश ने भी इंगित किया है कि यह स्थिति अपने आप में सजा है।

लोक अदालत की अवधारणा इस स्थिति से निजात दिलाती हैं जहां आपसी समझौते और सहमति से मामलों को सुलटाया जाता है और कोई भी अपने आप को मजबूर या न्याय से वंचित हुआ नहीं पाता। लोक अदालत से मामले का निस्तारण होने पर फैसले के खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। सबसे अच्छी बात यह है कि फैसला परस्पर सहमति के आधार पर किया जाता है। कहना न होगा कि तमाम मामले ऐसे होते हैं, जिन्हें आपसी सहमति से सुलझाया सकता है।

सबसे बड़ा तो यह कि लोक अदालत के माध्यम से न्याय दिया जाना अदालतों पर मुकदमों के भार को कम करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपक्रम है। यहां फैसला किसी भी रूप में थोपा हुआ करार नहीं दिया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि लोक अदालत की अवधारणा को संस्था के रूप मजबूत किया जाए। न्याय की पहुंच आम नागरिकों तक सुनिश्चित करने की बात हमारे सविधान में निहित है, लेकिन नौबत यह है कि आम जन न्याय पाने की बजाय हलकान ज्यादा हो जाता है।

यह स्थिति लोकतात्रिक समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। जिस समाज में आम जन को न्याय पाने में हलकान होना पड़ जाए उसे किसी भी सूरत में अभीष्ट या आदर्श समाज नहीं कहा जा सकता। लोक अदालत सार्थक हैं क्योंकि इनका उद्देश्य ही लोगों के घरों तक न्याय पहुंचाना है।

पहलवान अमन सहरावत ने कांस्य जीता

❐ खेलों में सबसे कम उम्र के भारतीय व्यक्तिगत पदक विजेता बने

पेरिस

आक्रामक और हमलावर प्रदर्शन के साथ, अमन सहरावत ने पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर विनेश फोगाट की अयोग्यता पर भारतीय दल की निराशा को दूर किया जो पदक से चूक गई।

सहरावत ने प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज़ पर 13-5 से जोरदार जीत दर्ज की। इस प्रक्रिया में, सहरावत 21 साल 0 महीने और 24 दिन की उम्र में भारत के सबसे कम उम्र के व्यक्तिगत ओलंपिक पदक विजेता बन गए। उन्होंने पीवी सिंधु के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक जीतने पर 21 साल 1 महीने और 14 दिन की थीं।

जब ऐसा लग रहा था कि 2008 के बाद पहली बार भारतीय पहलवान ओलंपिक से खाली हाथ लौटेंगे, तब सहरावत ने शुक्रवार को कांस्य पदक जीतकर दल का हौसला बढ़ाया।

यह पेरिस ओलंपिक में भारत का छठा पदक है, जिसमें देश ने अब तक एक रजत और पांच कांस्य पदक हासिल किए हैं।

दल में एकमात्र पुरुष पहलवान सहरावत ने मुकाबले का पहला अंक गंवा दिया, लेकिन जोरदार वापसी की और एक समय 2-3 से पिछड़ने के बावजूद पहले राउंड के अंत में 6-3 की बढ़त ले ली।

दूसरे राउंड में, सहरावत आत्मविश्वास से भरे हुए थे और ऐसा कभी नहीं लगा कि वह अपनी आरामदायक बढ़त को जाने देंगे और 13-5 से मुकाबला जीत गए।

21 वर्षीय सहरावत केडी जाधव (कांस्य 1952), सुशील कुमार (कांस्य 2008, रजत 2012), योगेश्वर दत्त (कांस्य 2012), साक्षी मलिक (कांस्य 2016), रवि दहिया (रजत 2020) और बजरंग पुनिया (कांस्य, 2020) की श्रेणी में शामिल हो गए। यह दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के पहलवानों द्वारा जीता गया छठा पदक है जो भारत में कुश्ती गतिविधि का एक प्रमुख केंद्र है।

सहरावत इस वर्ष कुश्ती में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र पुरुष पहलवान थे। उनके प्रदर्शन ने उन्हें ओलंपिक में कुश्ती में भारत के लिए आठवां ओलंपिक पदक (दो रजत और छह कांस्य पदक), हॉकी के बाद ओलंपिक में देश के लिए दूसरे सबसे सफल खेल के रूप में अपनी दावेदारी बढ़ाते हुए देखा है।

हरियाणा के पहलवान ने अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की और अपने पहले दो मुकाबलों में लगातार दो तकनीकी श्रेष्ठता जीत दर्ज की, लेकिन गुरुवार को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान के री हिगुची से 0-10 से हार गए।

उन्होंने अपने 16वें दौर के मुकाबले में पूर्व यूरोपीय चैंपियन नॉर्थ मैसेडोनिया के व्लादिमीर ईगोरोव को 10-0 की तकनीकी श्रेष्ठता से हराया था, और फिर क्वार्टर फाइनल में 2022 के विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त अल्बानिया के ज़ेलिमखान अबकारोव को 12-0 से हराया था।

महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में रीतिका हुडा अकेली भारतीय पहलवान हैं, जिन्होंने अभी तक खेलों में भाग नहीं लिया है।

सोमवार को निशा दहिया महिलाओं के 68 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। विनेश फोगाट ने मंगलवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन बुधवार को वेट-इन में असफल होने के बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। अंशू मलिक अपना 16वां राउंड अमेरिका की हेलेन मारौलिस के खिलाफ हार गईं, जबकि अंतिम पंघाल भी अपने शुरुआती मुकाबले में हार गईं।

पीएम मोदी ने अमन सहरावत को उनकी अविश्वसनीय उपलब्धि की बधाई दी- अमन सहरावत के कांस्य पदक ने उन्हें 21 साल 0 महीने और 24 दिन की उम्र में भारत के सबसे कम उम्र का व्यक्तिगत ओलंपिक पदक विजेता बना दिया।

उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि ने उन्हें उनके उल्लेखनीय पैरों के लिए पूरे देश से सबसे अधिक प्रशंसा अर्जित करते देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में भारत के लिए छठा पदक जीतने वाले युवा पहलवान की प्रशंसा करने में देश का नेतृत्व किया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपनी पोस्ट में कहा,अधिक गर्व, हमारे पहलवानों को धन्यवाद! पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा में कांस्य पदक जीतने के लिए अमन सहरावत को बधाई। उनका समर्पण और दृढ़ता स्पष्ट रूप से झलकती है। पूरा देश इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाता है।

समग्र रूप से कुश्ती जगत इस जीत का जश्न मना रहा है क्योंकि वह देश की पदक तालिका में शामिल होने की आखिरी उम्मीदों में से एक थे।

राष्ट्रीय राजधानी में प्रसिद्ध छत्रसाल अखाड़े में अमन के सीनियर, 2020 टोक्यो के कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने अमन की भावनात्मक पृष्ठभूमि का वर्णन किया जिसके कारण उन्होंने इतिहास रचा।

पदक तालिका: अमेरिका शीर्ष पर, भारत 69वें स्थान पर

पेरिस

अमेरिका ने पेरिस ओलंपिक पदक तालिका में शीर्ष पर अपना दबदबा जारी रखा है और प्रतियोगिता के 15वें दिन में 33 स्वर्ण सहित 111 पदकों के साथ प्रवेश किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 33 स्वर्ण, 39 रजत और 39 कांस्य पदक सहित 111 पदक जीते हैं और तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। चीन 33 स्वर्ण, 27 रजत और 23 कांस्य पदकों के साथ कुल 83 पदकों सहित दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 18 स्वर्ण, 14 रजत और 16 कांस्य सहित कुल 48 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। मेजबान फ्रांस 14 स्वर्ण, 20 रजत और 22 कांस्य सहित 56 पदकों के साथ छठे स्थान पर खिसक गया, ब्रिटेन 14 स्वर्ण, 20 रजत और 23 कांस्य सहित कुल 57 पदक जीतकर पांचवें स्थान पर है। पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर कुल छह पदक के साथ भारत 69वें स्थान पर है।

ढ़ोल-नगाड़ों पर थिरके भारतीय खिलाड़ी, एयरपोर्ट पर हुआ भारतीय हॉकी टीम का स्वागत

नईदिल्ली

पेरिस ओलंपिक 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत लौटी मेन्स हॉकी टीम का जोरों-शोरों से स्वागत हुआ है. 10 अगस्त को दिल्ली एयरपोर्ट पर जब टीम पहुंची, तो जश्न का माहौल था, जहां ढ़ोल-नगाड़े बज रहे हैं. ऐसे में खिलाड़ी भी खुद को रोक नहीं पाए और भांगड़ा करने लगे. इस सेलिब्रेशन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

टोक्यो ओलंपिक 2020 में ब्रॉन्ज जीतने के बाद भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता है. 52 साल बाद भारतीय टीम ओलंपिक में लगातार 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल हुई है. पिछली बार 1972 में ऐसा हुआ था.

पेरिस से भारत लौटी भारतीय हॉकी टीम की फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पर आई, जहां बाहर उनका ढ़ोल-नगाड़ों के साथ स्वागत हुआ. खिलाड़ियों ने भी इस पल को खूब इंज्वॉय किया.

ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत लौटे कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, मेडल तो मेडल होता है, देश के लिए इसे जीतना बड़ी बात है. वैसे तो हम गोल्ड का सपना देख रहे थे, लेकिन ये सपना पूरा नहीं हो सका. मगर, अच्छी बात ये है कि हम खाली हाथ नहीं लौटे हैं. लगातार 2 पदक जीतना अपने आप में रिकॉर्ड है. वाकई हमें जो प्यार मिल रहा है, वो हमारी जिम्मेदारी बढ़ा देता है. हम देश के लिए फिर से मेडल जीतने की कोशिश करेंगे.

अब बैंक खाते में दर्ज करा सकेंगे चार नॉमिनी, बैंकिंग लॉ बिल पेश

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया है। इस विधेयक में ऐसा प्रावधान किया गया है कि हरेक बैंक खाताधारक एक खाते के लिए चार 'नॉमिनी' तक दर्ज करा सकेगा। अभी तक एक बैंक खाते में एक ही नॉमिनी का उल्लेख करने का नियम है। अगर यह बिल संसद से पारित होता है तो अब नॉमिनी को बढ़ाकर चार तक किया जा सकता है। हालांकि, यह वैकल्पिक प्रावधान होगा। प्रस्तावित विधेयक में एक और बड़े बदलाव की बात कही गई है। इसके तहत कंपनी के निदेशकों के सबस्टेंशियल इंटरेस्ट को फिर से परिभाषित किया गया है और इसके तहत 5 लाख रुपये की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये तक किया गया है, जो लगभग छह दशक पहले तय की गई थी।

लोकसभा में विपक्ष के कुछ सदस्यों ने सदन में यह विधेयक पेश किये जाने का विरोध किया। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने कहा कि सहकारी समितियों और सहकारी बैंकों से जुड़े कानूनों में संशोधन का अधिकार राज्यों को है। उन्होंने इस संबंध में विधायी अधिकारों को लेकर अस्पष्टता की भी बात कही। उन्होंने कहा,''सहकारी समितियों पर केंद्र नियंत्रण कर सकता है या नहीं, इस पर विरोधाभास है।''

आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन ने कहा कि सरकार एक साथ चार कानूनों में संशोधन का प्रयास कर रही है और यह सदन की परंपराओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि आपस में जुड़े विषयों से संबंधित कानूनों को लेकर ही विधेयक लाया जाता है। तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने भी चार कानूनों को एक विधेयक के माध्यम से संशोधित करने पर आपत्ति जताई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि बहु सहकारी बैंक से जुड़े कानून में पहले भी इस सदन के माध्यम से संशोधन किया जा चुका है और इससे छोटे खाता धारकों को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि हम चार विधेयक भी ला सकते थे लेकिन जब एक समान तरह के कामकाज से जुड़े कानून हैं तो हम एक संशोधन विधेयक ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम और सहकारी बैंकों के बीच एक संबंध है और कोई भी संशोधन इसी रास्ते से लाना होगा।

आईटीआर प्रोसेसिंग हुई तेज, पहले के मुकाबले जल्दी मिल रहा रिफंड

नई दिल्ली

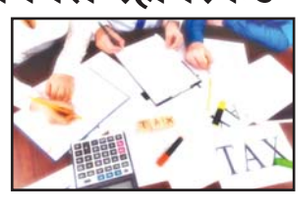

असेसमेंट ईयर 2024-25 में 7.28 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न (आरटीआर) जमा किए गए हैं। इसके साथ ही आईटीआर प्रोसेसिंग का समय भी बीते कुछ वर्षों में तेजी से घटा है। यह टैक्स क्षेत्र में नरेंद्र मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार देश में आईटीआर प्रोसेसिंग का समय घटकर 10 दिन रह गया है, जो कि 2013 में 93 दिन था। इस कारण से रिफंड पहले के मुकाबले तेज हुआ है। आईटीआर प्रोसेसिंग में तेजी की वजह इनकम टैक्स रिटर्न सिस्टम को अपटेड करना है। पर्सनल टैक्स रिजीम का सरलीकरण करना और टैक्स रिटर्न को आसान बनाना है।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 31 जुलाई, 2024 तक असेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए 7.28 करोड़ आईटीआर जमा किए गए थे। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 7.5 प्रतिशत ज्यादा है।

31 जुलाई तक पहली बार आईटीआर जमा करने वालों की संख्या 58.57 लाख थी, जो दिखाता है कि अर्थव्यवस्था बढ़ने के साथ देश में टैक्स जमा करने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि केंद्रीय बजट का उद्देश्य टैक्स रिजीम को आसान बनाना है। बजट में प्रस्तावित टैक्स के प्रावधानों से सीधा फायदा मध्यम वर्ग को होगा। आम बजट 2024-25 में वित्त मंत्री ने नई इनकम टैक्स रिजीम के तहत 10 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स को घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, स्टैंडर्ड डिडक्शन को बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है, जो कि पहले 50,000 थी। वित्त मंत्री के अनुसार, 31 जुलाई तक जमा कुल आईटीआर में से 72.8 प्रतिशत आईटीआर नई टैक्स रिजीम के तहत जमा किए गए हैं। सरकार की ओर से इनकम टैक्स एक्ट का कॉम्प्रीहेंसिव रिव्यू करने का फैसला किया गया है। छह महीने बाद पक्षकारों से चर्चा के लिए पहला ड्राफ्ट लाया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में अच्छा मुनाफा मिलने से आपकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा और जीवन साथी के साथ आप डिनर डेट पर जा सकते हैं।

वृष- आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप मन में चल रही है बातों को किसी के सामने उजागर नहीं होने देंगे, नहीं तो लोग इसका फायदा उठा सकते हैं। जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको किसी नए काम में हाथ आजमाने का मौका मिलेगा। परिवार के लोग आज आपसे कुछखास चीजों की डिमांड कर सकते हैं। आज जीवनसाथी को आप डिनर डेट पर लेकर जा सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस करना होगा। आप अपने से ज्यादा औरों के कामों पर ध्यान लगाएंगे तो आपको समस्या होगी लेकिन आप समय रहते इस को संभाल लेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आप माता की पसंद की कोई चीज गिफ्ट करेंगे आपके माता जी को भी खुशी होगी। आपको किसी संपत्ति की खरीदारी करते समय उसके जरूरी कागजातो पर ध्यान अवश्य देना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके बिजनेस की गति धीमी रहने के कारण आप परेशान रहेंगे। माता-पिता से आप मन में चल रही कुछ बातों को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपने कामों को बहुत सावधानी और कुशलता से करेंगे। संतान की ओर से कोई चिंता दूर होगी। आज की गई मेहनत के निकट भविष्य में बेहतरीन परिणाम मिलने वाले हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए ख़ास रहने वाला है। आज किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहने वाला है। किसी कानूनी मामले में भी आज आपको जीत मिलने के योग बन रहे है। आज आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है जिन्हे आप बखूबी निभायेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। संतान की नौकरी से संबंधित किसी समस्या को लेकर आप भागदौड़ में लगे रहेंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको गिले-शिकवे दूर करने का मौका मिलेगा।

मकर- आज आपके दिन की शुरुआत थोड़ा कमजोर रहेगी, लेकिन बाद में अच्छा लाभ मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका किसी नए वाहन को खरीदने का सपना आज पूरा होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी।

मीन- आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आप व्यापार के मामले में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें, नहीं तो वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है।

ओल्ड मनी सॉन्ग रिलीज, सलमान खान और संजय दत्त संग एक्शन मोड में दिखे रैपर एपी ढिल्लों

पॉपुलर पंजाबी सिंगर और वर्ल्ड फेमस रैपर एपी ढिल्लों, सलमान खान और संजय दत्त का न्यू ब्रॉन्ड गाना ओल्ड मनी रिलीज हो गया है. सॉन्ग ओल्ड मनी में सलमान खान, एपी ढिल्लों का जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है. सॉन्ग में सलमान खान और एपी ढिल्लों जमकर मारधाड़ और एक्शन करते दिख रहे हैं.

बता दें, बीती 6 अगस्त को दबंग स्टार सलमान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर ओल्ड मनी का टीजर जारी कर इसकी रिलीज डेट का खुलासा किया था. इस गाने में बॉलीवुड के संजू बाबा उर्फ संजय दत्त का खास रोल है, लेकिन टीजर में उनकी झलक नहीं दिखी थी और वह गाने के भी अंत में नजर आए हैं. गाने में इंडो कनाडियन रैपर सिंधा कोहलन भी दिख रहे हैं.

कहा जा रहा है कि ओल्ड मनी सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि यह एक घटना पर आधारित है, जिस वजह से इसमें धांसू मारधाड़ देखने को मिल रही ही. फैंस इस कोलैबोरेशन को लेकर काफी एक्साइडेट थे और आज वो सब्र भी खत्म हो गया है.

इससे पहले 2 अगस्त को एपी ढिल्लों ने इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प मोशन पोस्टर के साथ ओल्ड मनी गाने का एलान किया था.

ओटीटी पर रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन, प्राइम वीडियो पर हुई स्ट्रीम

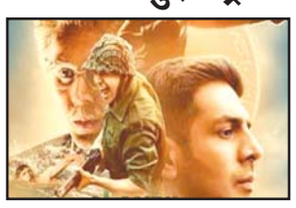

कार्तिक आर्यन स्टारर स्पोर्ट्स बायोग्राफिकल फिल्म चंदू चैंपियन अब सिनेमा के तीसरे पर्दे ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है. चंदू चैंपयिन बीती 14 जून को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई थी. चंदू चैंपियन को एक था टाइगर के डायरेक्टर कबीर खान ने डायरेक्ट किया है. चंदू चैंपियन भारत के पहले पैरालिंपिक गोल्ड मेडेलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी है. खुद गोल्ड मेडेलिस्ट ने इस फिल्म को स्पेशल स्क्रीनिंग पर देखा था. अब देश के इस पूर्व स्टार खिलाड़ी की कहानी ओटीटी पर भी स्ट्रीम होने जा रही है. चंदू चैंपयिन कब और किस प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी आइए जानते हैं.चंदू चैंपियन आज प्राइम वीडियो पर दुनियाभर के 240 से ज्यादा देश और टेरेटरी में स्ट्रीम हो रही है.

संघने की क्षमता हो गई है कम तो हो जाएं सावधान

कोविड महामारी से पीड़ित लोगों में स्मेल करने की क्षमता कम होना, टेस्ट की कमी जैसी शक्ति पहले से कम हुई है. जो लोग इससे ठीक भी हो चुके हैं उनमें भी संूघने की क्षमता की कमी और मुंह का स्वाद बिगडने जैसे लक्षण दिखाई दिए हैं. आज हम आपको विस्तार से बताएंगे कि संूघने की क्षमता की कमी होने के कारण किस गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ता है.

कंजेस्टिव हार्ट फेलियर- जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के रिसर्च के मुताबिक संूघने की शक्ति कम होने के लक्षण ज्यादातर बुजुर्ग में देखी गई है. उनके शरीर में कंजेस्टिव हार्ट फेलियर एक नई बीमारी का पता चला है. यह बीमारी एक खतरनाक रूप ले सकती है.

संूघने की शक्ति कम होने पर हार्ट अटैक का खतरा काफी ज्यादा बढ़ता है. यह इसके शुरुआती लक्षणों में से एक है. संूघने की शक्ति कमजोर होने पर दिमाग से जुड़ी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है. कमजोर दिल वाले व्यक्तियों संूघने की शक्ति धीरे-धीरे कम होने लगती है. नर्वस सिस्टम की शक्ति धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है. जिसके कारण संूघने की शक्ति कम होती है.

नाक से संबंधित परेशानी होने पर

कोविड -19 होने पर

दिमाग पर कोई चोट लगने पर

संूघने की शक्ति का कम होना क्या है?

संूघने की शक्ति कम होने पर स्निफिन स्टिक टेस्ट किया जाता है. ताकि हाइपोस्मिया या संूघने की शक्ति कम होने पर इस मापा जा सके. इस टेस्ट में संूघने की शक्ति कम होने लगती है. इस दौरान बदबू को पहचानना मुश्किल है.

किन लोगों में संूघने की शक्ति कम होने लगती है

बुजुर्ग

न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी जैसे अल्जाइमर पार्किंसस

क्रोनिक साइनस समस्या या नाक की समस्या वाले लोग

जिन लोगों को जेनेटिक की बीमारी है उन्हें स्मोकिंग नहीं करना चाहिए. क्योंकि इससे संूघने की शक्ति कम होती है.

संूघने की शक्ति कमजोर होने से बचने का तरीका

अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का खास ख्याल रखें

साइनस संक्रमण में इलाज करके बचा जा सकता है

जहरीली चीजों का इस्तेमाल कम से कम करें

शब्द सामर्थ्य- 145

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

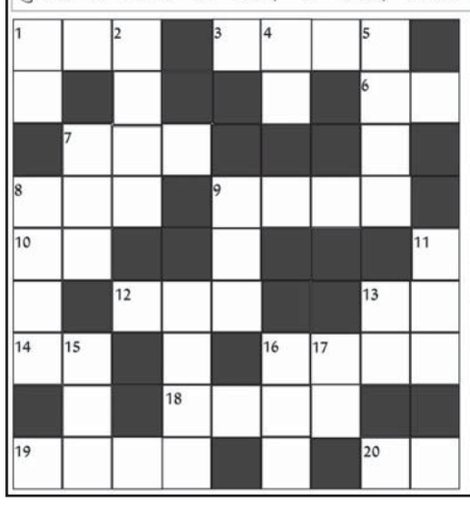

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 144 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

सू-दोकू- 145

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र144 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4